हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2026

13 सीवरेज सफाई के लिए उखाड़ी एक माह पहले बनाई गली



14 सप्तमी पर माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन को उमड़े भक्त



खबर संक्षेप

धूल उड़ने से रोकने के लिए पानी के छिड़काव के दिए निर्देश

झज्जर। जिले में वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और आमजन को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डीसी वर्षा खांगवाल ने निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली धूल पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों और निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों को निर्धारित नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थल को चारों ओर से उचित बैरिकेडिंग के साथ कवर किया जाए तथा निर्माण सामग्री को खुले में रखने के बजाय ढककर रखा जाए। इसके अतिरिक्त निर्माण स्थल, आंतरिक रास्तों और खुले क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाए, ताकि धूल के कण हवा में न फैलें।

दशहरा पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, 4 इयूटी मजिस्ट्रेट रहेंगे तैनात

झज्जर। जिलाधीश वर्षा खांगवाल ने 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दशहरा कार्यक्रमों के मद्देनजर चार ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। नोडल अधिकारी सुबह 11 बजे से रावण दहन कार्यक्रम संपन्न होने तक अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में तैनात रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। वहीं उपमंडल मजिस्ट्रेट अपने-अपने उपमंडल में संपूर्ण व्यवस्था के समग्र प्रभारी होंगे। जिले में झज्जर शहर, बेरी कस्बा, गांव दुजाना तथा बहादुरगढ़ शहर में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बहादुरगढ़ स्टेशन पर खड़ी ट्रेन से बैग चोरी

बहादुरगढ़। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री का बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। बैग में लैपटॉप, कैमरा और अन्य सामान रखा हुआ था। पुलिस को दी शिकायत में आगरा जिले के 20 वर्षीय राहुल कुमार ने बताया कि वह 7 अक्टूबर को ट्रेन नंबर 14118 कालिंदी एक्सप्रेस में सफर कर रहा था। रात करीब पौने 10 बजे ट्रेन बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर खड़ी हुई तो वह पानी पीने के लिए नीचे उतर गया। पानी पीकर जब वह वापस अपनी सीट पर पहुंचा तो उसका काले रंग का बैग गायब मिला।

साइबर फ्रॉड के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। साइबर क्राइम पुलिस की एक टीम द्वारा पार्ट टाइम जॉब का लालच देकर साइबर फ्रॉड करने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी दर्शन सिंह ने बताया कि बादली निवासी ने मामला दर्ज करवाया था। अब पकड़े गए आरोपी की पहचान चंद्रभान निवासी फलोदी, राजस्थान के तौर पर की गई है। आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मौसमी बीमारियों की वजह से सामान्य अस्पताल की ओपीडी में 15 से 20 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

दिन-रात के बदलते तापमान में लापरवाही पड़ रही बुजुर्गों व बच्चों पर भारी

मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही एसी और कूलर का इस्तेमाल करने से परहेज करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर



झज्जर। बच्चे की स्वास्थ्य जांच करते हुए डॉक्टर दिव्या मीणा।

पिछले चार-पांच दिनों से मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही लोगों की सेहत पर भी इसका असर दिखाई देने लगा है। मौसम में आए बदलाव के कारण खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पतालों की ओपीडी में भी मरीजों की संख्या में करीब 15 से 20 फीसदी तक इजाफा हुआ है। चिकित्सकों के अनुसार, दिन और रात के तापमान में बदलाव के दौरान स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में बच्चों की दिनचर्या, खानपान, कपड़ों और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों में मौसम के प्रभाव को लेकर अभिभावकों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होने के कारण वे संक्रमण की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। इसके अलावा बुजुर्गों को भी बदलते मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चों को पूरी बाजू के कपड़े पहनाएं

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिव्या मीणा ने बताया कि बदलते मौसम में अभिभावकों को बच्चों की सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं और संभव हो तो पूरी बाजू के कपड़े पहनाकर रखें। सुबह और शाम के समय ठंडक से बचाव के लिए विशेष ध्यान दें। इसके साथ ही बच्चों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखना भी जरूरी है। गंदगी और संक्रमण के संपर्क में आने से बच्चे बीमार पड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही एसी और कूलर का इस्तेमाल करने से परहेज करना चाहिए। यदि पंखा चलाना जरूरी हो तो इस बात का ध्यान रखें कि बच्चों के शरीर पर सीधे हवा न आए। तापमान में बदलाव के दौरान बच्चों को ठंडी हवा के सीधे संपर्क से बचाना चाहिए। रात के समय सोते हुए भी उनके कपड़ों और कमरे के तापमान का ध्यान रखना जरूरी है। यदि बच्चों में खांसी, जुकाम या बुखार के लक्षण दिखाई दें तो ऐसी स्थिति में समय रहते चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। इस मौसम में अभिभावकों की थोड़ी सी भी अनदेखी बच्चों पर भारी पड़ सकती है।

बुजुर्ग भी सुबह-शाम की सैर से बचें

बदलते मौसम का असर केवल बच्चों पर ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में बुजुर्गों को सुबह और शाम के समय ठंड से बचाव करना चाहिए तथा मौसम के अनुसार कपड़े पहनने चाहिए। पर्याप्त आराम, संतुलित खानपान और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना भी जरूरी है। जिन बुजुर्गों को पहले से कोई बीमारी है, उन्हें लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। बुजुर्गों को सुबह व शाम की सैर से भी बचना चाहिए।

दुकानों के बाहर सजे सामान और सड़कों पर खड़े वाहनों के कारण जाम से जूझ रहे लोग

त्योहारी सीजन में अतिक्रमण की गिरफ्त में शहर, बाजारों से निकलना हुआ मुश्किल

बहादुरगढ़ शहर में बाजारों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नहीं कोई इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सिटी पल्स

त्योहारी सीजन में बाजारों में रौनक बढ़ी है, लेकिन शहर की सड़कों पर अतिक्रमण और वाहनों की बेतरतीब पार्किंग ने लोगों की परेशानी भी बढ़ा दी है। शहर के लगभग सभी प्रमुख बाजार और सड़कें अतिक्रमण की चपेट में हैं। दिल्ली-रोहतक रोड से लेकर मेन बाजार, रेलवे रोड और नाहरा-नाहरी रोड तक हालात ऐसे हैं कि लोगों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। दुकानदारों ने दुकानों के बाहर तक सामान सजा रखा है, वहीं सड़क किनारे और बाजारों में दोपहिया व चारपहिया वाहन खड़े होने से रास्ते संकरे हो गए हैं।

शहर में त्योहारों के मद्देनजर बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। लोग जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। लेकिन बाजारों में पहुंचने के बाद उन्हें खरीदारी से ज्यादा परेशानी जाम में फंसकर हो रही है। कई जगह दुकानों के बाहर रखा सामान सड़क तक फैल जाता है। इसके अलावा, ग्राहक अपने वाहन भी सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। इससे पहले से सीमित सड़क पर आवागमन के लिए कम जगह बचती है। दिल्ली-रोहतक रोड पर वाहनों की आवाजाही और खरीदारी के लिए पहुंचने वाले लोगों की भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। रेलवे रोड पर भी अतिक्रमण और वाहनों की पार्किंग के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। नाहरा-नाहरी रोड पर भी कई स्थानों पर सड़क से निकलना आसान नहीं है। मेन बाजार में पैदल चलने वालों को भी कई बार वाहनों के बीच से रास्ता बनाकर निकलना पड़ता है। जाम में फंसने के कारण नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ती है। बाजारों में ट्रैफिक संभालने के लिए पुलिस की तैनाती पर्याप्त नहीं है।

बाजारों के पास पार्किंग व पुलिस की तैनाती से मिल सकती है राहत



बहादुरगढ़। शहर के कमेटी चौक पर लगे जाम में फंसे वाहन और नागरिक।

अवैध पार्किंग पर रोक लगानी चाहिए



जाखौदा निवासी अनूप दलाल के अनुसार त्योहारी सीजन में बाजारों में खरीदारी के लिए आना मजबूरी भी है, लेकिन यहां पहुंचने के बाद जाम में फंसना पड़ता है। दुकानों के बाहर तक सामान रखा रहता है और सड़क पर वाहन खड़े होते हैं। प्रशासन को व्यवस्था सुधारने के लिए नियमित कार्रवाई करनी चाहिए। बाजारों में दुकानों के बाहर सड़क तक रखे सामान को हटवाने, अवैध पार्किंग पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नियमित अभियान चलाने की जरूरत है।

दुकानों के बाहर सामान से हो रही दिक्कत



डॉ. योगेश शर्मा के अनुसार दुकानों के बाहर सामान रखने की वजह से सड़क का काफी हिस्सा घिर जाता है। इसके बाद ग्राहक अपने वाहन भी वहीं खड़े कर देते हैं। ऐसे में जाम लगना तय है। सभी दुकानदारों को अपनी दुकान की सीमा में ही सामान रखना चाहिए और नियमों का पालन करना चाहिए। प्रशासन को गलत तरीके से खड़े वाहनों और अतिक्रमण पर कार्रवाई करनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित न हो और आवागमन में दिक्कत न हो।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के हों इंतजाम



राहुल राठी के अनुसार, त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन यातायात व्यवस्था भी उसी हिसाब से होनी चाहिए। बाजार में पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। दुकानों के बाहर सामान रखा होने और सड़क पर वाहनों की आवाजाही के कारण लोगों को बीच सड़क से निकलना पड़ता है। इससे दुर्घटना होने का खतरा भी बना रहता है। थोड़ी दूरी तय करने में काफी समय लग जाता है।

खड़ी पिकअप से टकराई बाइक चालक की मौत

झज्जर। गांव चमनपुरा के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव शेरिया निवासी करीब 28 वर्षीय राहुल पुत्र औमप्रकाश के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में उसके पिता ने बताया कि राहुल शुक्रवार की रात किसी काम से बाइक पर दुजाना जा रहा था। जब वह चमनपुरा गांव के नजदीक पहुंचा तो उसकी बाइक सड़क पर बगैर किसी इंडिकेटर व रिफ्लेक्टर के खड़ी पिकअप गाड़ी से जा टकराई। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल हुए राहुल को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रक को बैक कराते हुए चपेट में आने से परिचालक की मौत

झज्जर। गांव लुहारी स्थित वेयरहाउस में ट्रक को पीछे कराते समय परिचालक उसकी चपेट में आ गया। मृतक की पहचान यूपी के प्रतापगढ़ जिले से सुबेदार कपरवा निवासी दलीप पुत्र पन्नालाल के तौर पर हुई है। पुलिस ने मृतक के भाई मोनू की शिकायत पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम रविवार को कराया जाएगा।

बामडोली में 16 लाख से बनेगी गली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़



गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

विधायक राजेश जून ने गांव बामडोली में 16 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सरपंच प्रतिनिधि और ग्रामीणों की मौजूदगी में उन्होंने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरुआत की।

ग्रामीणों ने विधायक का जोरदार स्वागत किया और गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिए आभार जताया। विधायक राजेश जून ने बताया कि मेन नाहरा-नाहरी रोड से गांव के अस्पताल के साथ लगती गली का निर्माण 16 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग टाइलों से करवाया जाएगा। गली बनने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से जरूरी इस विकास कार्य से लोगों को राहत मिलेगी। विधायक राजेश जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आशीर्वाद से भाजपा सरकार बहादुरगढ़ हलके में तेजी से विकास कार्य करवा रही है। हलके में लगातार विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन हो रहा है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर 10 चालान

झज्जर। शनिवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग के विरुद्ध विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। क्षेत्रीय अधिकारी डॉक्टर सुनील श्योराण ने बताया कि निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अलग-अलग राशि के चालान किए गए। इनमें दस हजार रुपये के चार चालान कर चालीस हजार रुपये, 15 सौ रुपये के तीन चालान कर 45 सौ रुपये तथा पांच सौ रुपये के तीन चालान कर 15 सौ रुपये की जुर्माना राशि निर्धारित की गई। इस प्रकार अभियान के दौरान कुल 10 चालान किए गए और कुल 46 हजार रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया। उन्होंने दुकानदारों एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग और बिक्री न करें तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित नियमों का पूरी तरह पालन करें।



संस्कारम में एनडीए क्वालीफायर्स का सम्मान

एसएसबी साक्षात्कार की कोचिंग मिलेगी मुफ्त



झज्जर। होनहार विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को सम्मानित करते हुए संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. महिपाल। फोटो : हरिभूमि

- चेयरमैन डॉ. महिपाल ने 20 विद्यार्थियों व उनके परिजनों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में शनिवार को एनडीए लिखित परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। सेना के जवानों की गरिमामयी उपस्थिति तथा फूलों व रंग-बिरंगे बैनरों से सुसज्जित मंच पर आयोजित इस समारोह में एनडीए क्वालीफायर्स बीस विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान हासिल करने वाले एनडीए सितंबर बैच के विद्यार्थियों में मयंक, अक्षित, पार्थ, हिना, पार्थ, दिव्यांशु, दिपांशु, यश, आरुष, गीतांशु, राहुल, चिराग, साक्षी, अमित, यश, दिनेश, अंकिता, मान, जितेंद्र तथा मानव शामिल रहे। संस्थान के चेयरमैन डॉ. महिपाल ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को माला, ट्रॉफी, प्रोत्साहन राशि और प्रमाण पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि अब इन सभी विद्यार्थियों के आगामी एसएसबी साक्षात्कार की तैयारी के लिए विद्यालय परिसर में ही पूर्णतः निःशुल्क विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि विद्यार्थी साक्षात्कार में भी पूर्ण आत्मविश्वास के साथ सफलता प्राप्त कर सकें। इसी दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक सामूहिक लोक नृत्य की प्रस्तुति देते हुए अतिथियों और अभिभावकों का मन मोहा।

एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

स्टेट चैंपियनशिप में पहले दिन झज्जर के तैराकों का दबदबा

प्रदेश के एक हजार से अधिक तैराक तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। विजेता तैराकों को सम्मानित करते राकेश जून और अनिल खत्री।

शहर की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक्स अकादमी में 43वीं सब-जूनियर और 53वीं जूनियर हरियाणा राज्य तैराकी चैंपियनशिप-2026 शनिवार को शुरू हुई। प्रदेश के एक हजार से अधिक तैराक तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने मुख्य अतिथि के रूप में विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

400 मीटर फ्रीस्टाइल में विहान जीता

400 मीटर फ्रीस्टाइल में झज्जर के विहान ने पहला, फरीदाबाद के उज्ज्वल यादव दूसरे और रोहतक के दक्ष लाकड़ा तीसरे स्थान पर रहे। गर्ल्स के 800 मीटर इवेंट में फरीदाबाद की लक्षिता सिंह ने पहला और हिसार की दीक्षिका ने दूसरा स्थान हासिल किया। गुरुग्राम की अलायका ठाकरान 400 मीटर इवेंट में पहले, सना वडेरा दूसरे और अंबाला की आरोही तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता में झज्जर जिले के तैराकों का दबदबा दिखा। लड़कों के 800 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में झज्जर के रोहित लाठर ने पहला और अरमान मान ने तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि फरीदाबाद के दर्श सिंह दूसरे स्थान पर रहे। हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव एवं हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने कहा कि अब प्रदेश के गांवों से भी बेहतर तैराक सामने आ रहे हैं। इस अवसर पर रवि सिंगारी, कोच साईं जाधव, हनुमान, चेतन, गुगन सिंह, सुरेंद्र राणा, रविंद्र, प्रेम कादियान, पदमपाल, अनिल शर्मा, विजय पाल, सतनारायण शर्मा, अनिल शर्मा, हरबीर ढाका, जितेंद्र, विशाल व दीपक अभिषेक ठाकुर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ



त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

ठेकेदार पर लगाया गली निर्माण के दौरान घटिया सामग्री उपयोग करने का आरोप

सीवरेज की सफाई के लिए उखाड़ी एक माह पहले बनाई गली, लोगों ने काम रुकवाया

लोगों का कहना है कि गली र्मिाण के समय ही सीवरेज व्यवस्था को करना चाहिए था ठीक

हरिभूमि न्यूज ⏭| झज्जर





गली उखाड़ने पर रोष जताती महिलाएं

शहर के छिक्कारा चौक से कच्चा तलाव रोड जाने वाली एक गली के निवासी शनिवार को उस समय भड़क गए जब ठप्प सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कर्मचारी एक माह पहले बनी सीमेंट कंक्रीट की गली उखाड़ने लगे।

आर्य नगर स्थित इस गली के लोगों ने काम रुकवाते हुए पार्षद भागवंती देवी को बुलाया। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत डीसी से करने की बात कही। आर्य नगर निवासी राममूर्ति देवी, ज्ञानवती, बफीदेवी, नरेश, अजीत सिंह, सुरेश, उर्मिला देवी, सुनीता, सतीश कुमार, तरुण सोनी, बिमला देवी, सुकन्या, पिस्तो देवी, रामकला, पूनम, अमित कुमार आदि ने बताया कि करीब एक माह पहले बनाई गई उनकी गली में बीस मीटर के दायरे में दो सीवरेज के मेनहॉल लगते हैं जिनमें साथ लगती गलियों के सीवरेज के कनेक्शन जोड़े गए हैं। जब यह गली बनाई गई उस समय किसी ने सीवरेज व्यवस्था की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और गली निर्माण कर दिया। अब सीवरेज व्यवस्था ठप्प हो गई और ओवरफ्लो होकर सीवरेज का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा तो संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने सीवरेज के मेन हॉल वाली जगह का कुछ हिस्सा उखाड़ दिया। लोगों का कहना है कि जब गली बनाई उस समय सीवरेज व्यवस्था चेक की जानी चाहिए थी और उसे दुरुस्त करने के बाद ही गली निर्माण करना चाहिए था। इसके अलावा गली निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए। लोगों ने बताया कि नई गली का ऊपरी साम्रगी अभी से उखड़ने लगी है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि मुख्य गली का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन ब्रांच गलियां नीची होने के कारण अब गंदे पानी की निकासी नहीं हो पाई। मुख्य गली के साथ लगती अन्य गलियों का निर्माण भी होना चाहिए। इस संबंध में पार्षद भागवंती देवी ने बताया कि उन्होंने डीसी से फोन पर बात कर समस्या से अवगत करा दिया है। गली निर्माण की गुणवत्ता को लेकर वे एडीसी, ईओ और चेयरमैन से भी शिकायत कर चुकी है, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

न्यूज डायरी



डाबोदा कलां के सरकारी स्कूल में लगा योगा कैंप

बहादुरगढ़। शनिवार को गांव डाबोदा कलां स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग द्वारा देशभक्ति एवं निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अश्विनी कुमार वशिष्ठ ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बलवान, विद्वान, चरित्रवान, गुणवान, संस्कारवान, समर्थ, समाजसेवी तथा धर्म और संस्कृति का रक्षक बनने की प्रेरणा दी गई। जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति का भाव समझाया। साथ ही योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नियमित व्यायाम, स्वाध्याय और ईश्वर भक्ति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। योगाचार्य जगदीश ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान है।



वैश्य कॉलेज में सेवा संकल्प अभियान का समापन

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेड क्रॉस इकाई द्वारा एक माह तक चलाए गए सेवा संकल्प अभियान का समापन जागरूकता रैली के साथ हुआ। इस अभियान के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए अनेक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

स्वयंसेविकाओं ने अभियान के समापन अवसर पर आयोजित बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जागरूकता रैली के माध्यम से बेटियों के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, समानता एवं सशक्तीकरण का संदेश जन जन तक पहुंचाया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें व्यवहार में उतारने का एक सार्थक प्रयास है।

स्वयंसेविकाओं ने आमजन को स्वच्छता अपनाने, गीले और सूखे कचरे को अलग अलग रखने, एकल उपयोग प्लास्टिक से बचने, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।



भाजपा की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

झज्जर। हरियाणा में भाजपा की नायब सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा जिला कार्यालय कमलम में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वर्चुअल माध्यम से प्रदेश संगठन मंत्री पवन राणा एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर अर्चना गुप्ता ने जुड़कर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में शक्ति केंद्र प्रमुखों, मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रभारियों ने भाग लिया। इस दौरान पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, संजय कबलाना, मनीष बंसल, दया किशन, नरेश भारद्वाज, गीतांशु चावला, परमिंदर जांगड़ा, सोनू मान, सोमवती जाखड़, केशव सिंघल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

दादा कुशाल सिंह ने संस्कृति और समाज की रक्षा के लिए दिया बलिदान : वीरेंद्र

■ सीएम के ओएसडी ने दिया कार्यक्रम का न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। कार्यक्रम को लेकर जानकारी देते सीएम के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने शनिवार को संगठन संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। सोनीपत के बड़खालसा स्थित गुरु तेग बहादुर मेमोरियल कॉम्प्लेक्स में 15 नवंबर को आयोजित होने वाले दादा कुशाल सिंह दहिया के बलिदान दिवस और संस्था संगम कार्यक्रम का निमंत्रण दिया गया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल के सानिध्य में हुए कार्यक्रम के संयोजक सत्येंद्र दहिया रहे। ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को निमंत्रण देते हुए बताया कि दादा कुशाल सिंह दहिया के बलिदान दिवस पर होने वाले कार्यक्रम हरियाणा के मुख्यमंत्री या केंद्रीय मंत्री मुख्याथिति होंगे। दादा कुशाल सिंह दहिया ने धर्म, संस्कृति और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। नई पीढ़ी को उनके इतिहास से अवगत कराना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सत्येंद्र दहिया, कृष्ण घई, संजीव कुमार, रमेश गुप्ता, यशपाल गांधी, संजीव पसरीजा, नफे सिंह कपूर, डा. अजय जैन, वजीर सिंह दहिया, विनय गोयल, विक्रम छिल्लर, संजय, संदीप गुलिया, कार्तिक, हरीश बजाज, प्रदीप सिन्हा, दिनेश कुमार, प्रदीप एडवोकेट, अनिल खुराना, विजय मुदगल, राजेंद्र सिंह, सुनीता रानी, दिव्या बंसल, डा. मुकेश शर्मा, मास्टर सुखबीर सरोहा, पार्षद सचिन दलाल, ओमबीर छिकारा, सुमेर सिंह और जयपाल दहिया आदि उपस्थित रहे।



आईआईटीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में नवकृति फेस्ट में झूमे विद्यार्थी

जेसी कॉलेज ऑफ लॉ में नवरात्रि के अवसर पर करवाया कार्यक्रम

पारंपरिक एवं रंग-बिरंगे परिधानों में सुसज्जित विद्यार्थियों ने डांडिया खेला

बहादुरगढ़। आईआईटीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग तथा जेसी कॉलेज ऑफ लॉ बहादुरगढ़ द्वारा नवरात्रि के अवसर पर नवकृति फेस्ट का आयोजन किया गया। पारंपरिक एवं रंग-बिरंगे परिधानों में सुसज्जित विद्यार्थियों ने डांडिया किया। कार्यक्रम में आईआईटीएम की उपनिदेशक प्रो. अंजना सिंह, जेसी कॉलेज की निदेशक प्रो. शालिनी त्यागी, वरिष्ठ प्राध्यापक राजीव गौड़ सहित दोनों संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भारतीय संस्कृति, परंपरा तथा लोकनृत्य की मनमोहक छटा प्रस्तुत की।

सांखोल से लापता दो बच्चों की तलाश में जुटी कई टीमें

बहादुरगढ़। सांखोल गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए चार बच्चों में से दो के सकुशल घर लौटने के बाद भी अन्य दो बच्चों का शनिवार तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। लापता बच्चों की तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में छानबीन करने के साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, सांखोल गांव में रहने वाले प्रवासी परिवारों के चार बच्चे मंगलवार दोपहर नाला रोड पर खेलते समय अचानक लापता हो गए। शाम तक बच्चे घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसके बाद सुमित, आशीष और नजीम के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। बुधवार रात सुमित और नजीम सकुशल घर लौट आए। दोनों बच्चों के वापस आने से परिजनों ने राहत की सांस ली, लेकिन आशीष और एक अन्य बच्चे का अब तक पता नहीं चल पाया है। दोनों बच्चों के दिल्ली की ओर जाने की बात सामने आई थी। उनके अब तक नहीं मिलने से परिजन परेशान हैं। पुलिस लापता बच्चों की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर जांच कर रही है।

भाजपा की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

झज्जर। हरियाणा में भाजपा की नायब सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा जिला कार्यालय कमलम में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वर्चुअल माध्यम से प्रदेश संगठन मंत्री पवन राणा एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर अर्चना गुप्ता ने जुड़कर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में शक्ति केंद्र प्रमुखों, मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रभारियों ने भाग लिया। इस दौरान पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, संजय कबलाना, मनीष बंसल, दया किशन, नरेश भारद्वाज, गीतांशु चावला, परमिंदर जांगड़ा, सोनू मान, सोमवती जाखड़, केशव सिंघल सहित अन्य भी मौजूद रहे।



थंब पेंटिंग में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। न्यूटन स्कूल में शनिवार को थंब पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्री नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंग बिरंगे वाटर कलर का प्रयोग करके आकर्षक चित्र बनाए। प्रतियोगिता में प्री नर्सरी से कनक व रिषभ ने प्रथम, रियांश ने द्वितीय व इवान ने तृतीय, नर्सरी कक्षा से पक्षलिका ने प्रथम, लव्यांश ने द्वितीय व ध्रुव व दिव्यांश तृतीय, केजी से प्रिया ने प्रथम, नित्या व दिव्यांश ने द्वितीय व हनिशा ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पहली कक्षा से रावी प्रथम, वेदिका व युवान द्वितीय व जिव्या तृतीय रहे। दूसरी कक्षा में सारवी ने पहला, शिवम व नव्या ने दूसरा तथा नवीन ने स्थान प्राप्त किया। निदेशक बालेश कादियान, मनोज भारद्वाज, अश्वनी खासा, प्रबंधक रोहताश सिंह, मुख्याध्यापिका उर्मिल बेनीवाल ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुंडका से टीकरी बॉर्डर तक टूटी सड़क सुधारने की मांग



बहादुरगढ़। सामाजिक कार्यकर्ता सतपाल हाडा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर पंजाबी बाग से टीकरी बॉर्डर होते हुए बहादुरगढ़ तक जर्जर हो चुकी सड़क के निर्माण और पुनर्निर्माण की मांग की है। उन्होंने विशेष रूप से मुंडका से टीकरी बॉर्डर तक के हिस्से की हालत सुधारने और बहादुरगढ़ में सेक्टर-9 तक सड़क का निर्माण कराने की अपील की है। सतपाल हाडा के अनुसार पंजाबी बाग से टीकरी बॉर्डर तक सड़क की स्थिति खराब होने के कारण दैनिक यात्रियों, स्थानीय निवासियों और परिवहन से जुड़े लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस हिस्से का भी जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की।

स्वयंसेवकों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन की एनएसएस इकाई की ओर से सेवा संकल्प अभियान एवं नवरात्रि थीम पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल और प्राचार्या डॉक्टर संतोष के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर प्रज्ञानबान कुंडू के योग सत्र से हुआ। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सांस्कृतिक सत्र में तान्शो और रिद्धिमा ने कविता पाठ, काजल और वेदिका ने नृत्य तथा सुमंतम ने एकल गायन प्रस्तुत किया। नीतू प्रियांशी ने प्रश्नोत्तरी का संचालन किया। डॉ. रीना तक्षक और डॉ. सीमा छिल्लर ने मार्गदर्शन किया।

श्रद्धालुओं ने की गोवर्धन पूजा, कान्हा की बाल लीलाओं ने किया भाव विभोर

हरिभूमि न्यूज ⏭| झज्जर



शहर के पुराना बस स्टैंड परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गिरिराज श्रीगोवर्धन की महिमा का श्रवण किया। कथा व्यास पंडित अरविंद शास्त्री ने श्रीहरि की विभिन्न लीलाओं का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कथा के दौरान गिरिराज श्रीगोवर्धन की पूजा का प्रसंग भी सुनाया गया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए प्रेरित किया था। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा की। उन्होंने गोवर्धन पूजा के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान ने बाल रूप में ही अनेक असुरों का संहार कर अपनी दिव्य शक्ति का परिचय दिया। कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांचा



बहादुरगढ़। कैंप में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांचते स्वास्थ्यकर्मी।

बहादुरगढ़। शहर के ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शनिवार को डी-3 डायग्नोस्टिक लैब की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. यश शर्मा, लैब टेक्नीशियन नेहा, रमन व मुस्कान द्वारा बच्चों तथा अध्यापकों की खून जांच, बीपी, शुगर जांच, वजन, बॉडी मेन इंडेक्स समेत सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। डाक्टरों ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार लेने, नियमित व्याम करने, स्वच्छता बनाए रखने और पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी। प्रधानाचार्या शीला देवी ने डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया।

जसौरखेड़ी कॉलेज में परवाज टैलेंट हंट के समापन पर छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

लक्ष्मी को 'ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मर' का विशेष पुरस्कार

रंगोली में भूमिका, पोस्टर मेकिंग में तानिया, स्लोगन लेखन में तमन्ना रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭| बहादुरगढ़



हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्रा।

जसौर खेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय परवाज टैलेंट हंट का शनिवार को समापन हो गया। प्रतियोगिताओं में रंगोली में भूमिका, पोस्टर मेकिंग में तानिया, स्लोगन लेखन में तमन्ना, निबंध लेखन में अनुपमा, मेहंदी प्रतियोगिता में भूमिका, एकल नृत्य में लक्ष्मी तथा कविता गायन में गीतू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लक्ष्मी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मर के विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शनिवार को कार्यक्रम के अंतिम दिन नृत्य, गीत गायन एवं कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुनैना की देखरेख में किया गया। उन्होंने कहा कि परवाज टैलेंट हंट से छात्राओं में छिपी प्रतिभाओं को पहचानने में मदद मिलती है। उन्हें निखारने के लिए उचित मंच मिलता है। छात्राओं में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास होता है। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संदीप किराड़ द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विजेताओं की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने छात्राओं को अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्राध्यापक डॉ. प्रियंका, डॉ. पूनम, डॉ. सुनील कुमार, अजय कुमार, अनिल कुमार व डॉ. सुनील ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



बहादुरगढ़। विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते प्रिंसिपल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

कानौंदा में स्कॉर्पियो ने महिला को मारी टक्कर

बहादुरगढ़। गांव कानौंदा में बेटे को ट्यूशन से लेने जा रही एक महिला को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो-एन गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए शहर के ब्रह्मशक्ति अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह आईसीयू में उपचाराधीन है। आरोप है कि टक्कर मारने के बाद चालक गाड़ी सहित मौके से फरार हो गया। सदर थाना पुलिस ने महिला के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में गांव कानौंदा निवासी 38 वर्षीय कविता ने बताया कि 15 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े 6 बजे वह अपने 7 वर्षीय बेटे आयुष को ट्यूशन से लेने जा रही थी। जब वह सड़क पार करने लगी तो बहादुरगढ़ की तरफ से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक स्कॉर्पियो-एन गाड़ी ने उसे सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गई और उसे चोटें आईं। महिला की शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 और 125ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है।



ट्रैकिंग कैंप में बादली कॉलेज के कैडेट्स रहे प्रथम

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बादली के एनसीसी कैडेट्स जतिन और जय ने उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में आयोजित यूपी ट्रैकिंग कैंप में टग ऑफ वॉर (रस्साकशी) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय पहुंचने पर दोनों कैडेट्स को प्राचार्य मेजर आनंद कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान रमेश कुमार डागर भी उपस्थित रहे। एनसीसी अधिकारी डॉ. मंजीत सिंह ने भी दोनों कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सट्टा खाईवाली करते एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 पुलिस टीम ने सेक्टर-16 स्थित सब्जी मंडी टावर के पास सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक सत्यवीर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सब्जी मंडी टावर के पास छापेमारी कर बवाना निवासी शंभूदास को काबू किया गया। उसके कब्जे से निवार की एक पट्टी, एक पेन तथा 1500 रुपये बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू

अवैध शराब सहित एक आरोपी पकड़ा

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा अवैध शराब सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। पुलिस चौकी बेरी प्रभारी सागर ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मेंद्र निवासी गोच्छी, जिला झज्जर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12 बोतल, 16 अध्धे तथा 20 पव्वे देशी शराब बरामद की है। आरोपी शराब रखने व बेचने संबंधी कोई लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका।

खबर संक्षेप



झज्जर। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते संस्था सदस्य।

शिविर में 14 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। ढराणा में शनिवार को कैंसर मरीजों की सहातार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इंडेप्थ विजन फाउंडेशन व सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में कुल 14 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में युवाओं, ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रक्त संग्रहण का कार्य एम्स बाढ़सा की ब्लड बैंक टीम द्वारा सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से किया गया। संस्था सदस्य दीपक ने लोगों से अपील की कि वे रक्तदान के लिए आगे आएं और जरूरतमंदों की मदद करें।

भट्ठी गेट में 40वां मां भगवती जागरण आज

झज्जर। शहर के भट्ठी गेट में युवा समाज समिति द्वारा रविवार को मां भगवती के 40वें विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में स्थानीय विधायक एवं पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगी। ज्योति प्रचंड व्यापार मंडल के जिला प्रधान एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी डेलीगेट सुभाष गुर्जर द्वारा की जाएगी। इसके अलावा नगर पार्षद टेकचंद गुर्जर व पार्षद विकास गुर्जर विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

एसडीएम ने मेला स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दुर्गा सप्तमी पर माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

एसडीएम ने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेरी

माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में मुख्य मेले में दुर्गा सप्तमी के दिन लाखों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो गई और माता के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उपमंडल प्रशासन की ओर से विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। एसडीएम रेणुका नांदल ने मेला स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रखी जाएं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।





बेरी। माता भीमेश्वरी देवी की प्रतिमा के समक्ष बैठे पुजारी कुलदीप वशिष्ठ व मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

एक डीसीपी और तीन एसीपी संभाल रहे सुरक्षा की कमान

मुख्य मेले को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मेले में एक डीसीपी और तीन एसीपी सहित करीब 650 पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके लिए करीब 65 हाई क्वालिटी सीसीटीवी लगाए गए हैं। जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं की आवाजाही और मेले की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

बेरी मेले में आकर्षण का केंद्र बनी मारवाड़ी नस्ल की नन्ही घोड़ी रगजड़ाव

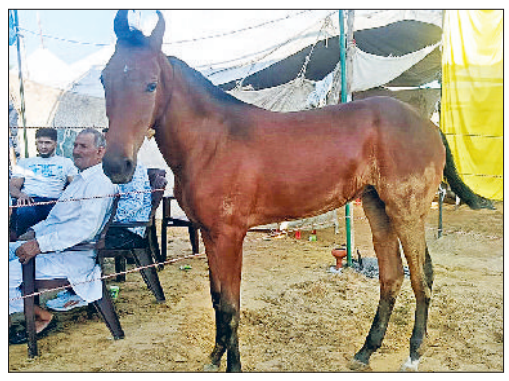

झज्जर। विश्वप्रसिद्ध बेरी पशु मेले में इस बार मारवाड़ी नस्ल की एक नन्हीं घोड़ी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदीप नामक युवक की इस नन्हीं घोड़ी का नाम रगजड़ाव रखा गया है। अपनी आकर्षक कद-काठी और खास नस्ल के चलते यह मेले में आने वाले लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। घोड़े पालने के शौकीन लोग इसे देखने में खास दिलचस्पी दिखा रहे हैं। घोड़ी के मालिक प्रदीप की माने तो रगजड़ाव के पालन-पोषण पर अब तक लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं। हालांकि, इतनी बड़ी कीमत और लोगों की दिलचस्पी के बावजूद उन्होंने रगजड़ाव को बेचने से साफ मना कर दिया। उनके लिए यह केवल कीमत का मामला नहीं, बल्कि घोड़ों के प्रति वर्षों से चला आ रहा लगाव और शौक है।

पीएलवी दे रहे कानूनी अधिकारों की जानकारी



बेरी। माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मंदिर परिसर में स्थापित कानूनी सहायता शिविर में प्राधिकरण के पीएलवी द्वारा श्रद्धालुओं विभिन्न कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल के निर्देशानुसार आमजन को कानूनी रूप से जागरूक करने के उद्देश्य से मेले में यह स्टॉल लगाया गया है।

तिरंग इंटरनेशनल स्कूल में मनाया डांडिया उत्सव

झज्जर। किड्ज शैशव ग्रुप ऑफ स्कूल, मोंटेसरी विंग व तिरंग इंटरनेशनल स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं धार्मिक उत्सवों के महत्व से परिचित कराना तथा उनमें सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजकर डांडिया नृत्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की डायरेक्टर उषा गहलोत ने विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन और शानदार प्रस्तुतियों की सराहना की। प्राचार्या नीलम मल्हान ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि हमें अपने सभी त्योहारों को प्रेम, सद्भाव और उत्साह के साथ मनाना चाहिए तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत को सदैव सुरक्षित रखना चाहिए।



झज्जर। कार्यक्रम में डांडिया नृत्य की प्रस्तुति देते हुए छात्राएं।

भक्तिमय माहौल में मनाया नवरात्रि उत्सव

झज्जर। आरईडी स्कूल में नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्या मंजू मदान ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान और त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की भावना विकसित होती है।



शिक्षिकाओं ने डांडिया के साथ किया नृत्य

झज्जर। एलए स्कूल में नवरात्रों के उपलक्ष्य में शनिवार को शिक्षकों ने मिलकर डांडिया नृत्य किया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि दुर्गा अष्टमी को लेकर स्कूल में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की गई है। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि बच्चों को हमारी संस्कृति से रूबरू करवाने का इन त्योहारों में एक विशेष शुभ अवसर होता है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया व भविष्य दहिया ने भी अपनी खुशी को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। इस मौके पर अध्यापिका रितिका, निशा, जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।



झज्जर। डांडिया नृत्य करते हुए शिक्षिकाएं। फोटो : हरिभूमि



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में स्टाफ के साथ उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एसएसएसआई में विद्यार्थियों ने किया गरबा

बहादुरगढ़। श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में दुर्गा नवमी एवं दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ आकर्षक डांडिया एवं गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। स्कूल चेयरमैन अभिषेक छिल्लर के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों की परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने गरबा और डांडिया के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नवरात्रि की धार्मिक महत्ता को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते फाउंडेशन स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

फाउंडेशन स्कूल में मनाया दुर्गा पूजा महोत्सव

बहादुरगढ़। फाउंडेशन स्कूल में शनिवार को दुर्गा पूजा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल निदेशक हर्षदीप राठी और प्रधानाचार्य प्रधानाचार्या मोनिका राठी ने किया। कार्यक्रम में पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अनेक गतिविधियों से सबका मन मोह लिया। विद्यार्थियों द्वारा कविता वाचन, नृत्य व भाषण समेत कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मोनिका राठी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें दुर्गा पूजा का महत्व समझाया। यह त्योहार महिषासुर पर मां दुर्गा की विजय की याद में मनाया जाता है। दुर्गा पूजा के दौरान लोग पूजा-पाठ, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। दुर्गा पूजा हमें साहस, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। विद्यार्थियों ने सत्य और अच्छाई के मार्ग पर चलकर अपना अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते त्रिवेणी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

त्रिवेणी स्कूल में मनाया दशहरा

बहादुरगढ़। शहर के त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को दशहरा पर्व मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। रावण की बुराइयों का नाश करने, उसके अहंकार, क्रोध और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों को उजागर करने के उद्देश्य से एक विशेष पॉडकास्ट का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गीत, रामलीला से संबंधित प्रस्तुतियां, नवदुर्गा विषयक कार्यक्रम तथा कविता, भाषण और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों को सम्मिलित किया गया। श्याम की बगिया के मनमोहक एवं भक्तिमय कार्यक्रम ने दर्शकों को आध्यात्मिकता की ओर प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुमित्रा महला ने विद्यार्थियों ये कहा कि जीवन में बुराइयों का त्याग करके सत्य, सदाचार और सकारात्मक विचारों को अपनाना ही दशहरा पर्व की वास्तविक सीख है। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्वों के माध्यम से सत्य, सदाचार और सकारात्मक विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

गर्ल्स कॉलेज में किया डांडिया नृत्य

बहादुरगढ़। शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय में नवरात्रि के अवसर पर सांस्कृतिक सेल व वूमेन सैल द्वारा डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या अलका गुलाटी ने की। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राओं ने संगीत की धुनों पर उत्साहपूर्वक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं ने सामूहिक सहभागिता और उमंग के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्राचार्या अलका गुलाटी ने छात्राओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को निखारने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुदेश राठी, सुनीता छिल्लर, सीमा धनखड़, मंजू छिकारा, शीतल, ललिता, आशिमा आदि ने छात्राओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्राध्यापिकाओं ने भी मनमोहक प्रस्तुतियां दी।



बहादुरगढ़। छात्राओं के साथ डांडिया खेलती कॉलेज की प्राध्यापिकाएं।

वैश्य स्कूल में गूंजी रामचरितमानस की 108 चौपाइयां

बहादुरगढ़। शनिवार को वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में विजयादशमी बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में अंतर-सदनीय 108 चौपाई गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें चारों हाउस जागृति, ज्योति, प्रेरणा, और शक्ति हाउस के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। चौपाई गायन प्रतियोगिता में ज्योति हाउस प्रथम रहा। रावण दहन से पहले प्रत्येक बच्चे से उसकी एक बुराई कागज पर लिखवाई गई और उन सभी पर्चियों को रावण के पुतले में डाल दिया गया। ताकि पुतले के साथ-साथ बच्चों के अंदर की बुराइयों का भी अंत हो सके। सहसचिव एमसी जोशी द्वारा बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। प्रिंसिपल अंजू अग्रवाल ने बच्चों को दशहरे का महत्व समझाया। स्कूल डायरेक्टर अनीता कौशिक ने बताया कि दशहरा त्याग की स्वार्थ पर, प्रेम की अहंकार पर एवं सद्गुणों की दुर्गुणों पर विजय का प्रतीक है।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल व डायरेक्टर। फोटो : हरिभूमि

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में रही गरबा उत्सव की धूम



झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षिकाएं व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में नवरात्रि के पावन अवसर पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा गरबा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉक्टर नीलम गर्ग ने शिक्षिकाओं के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए किया। उन्होंने कहा कि यह परंपरा ज्ञान, सकारात्मकता और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। मंच संचालन विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर चिंकी व छात्रा भूमिका और साक्षी ने किया। छात्राओं व शिक्षिकाओं द्वारा नृत्य के दौरान गेंद एवं डांडिया को संतुलित करने का खेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर अनुपमा यादव ने कहा कि गरबा उत्सव का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को प्रोत्साहित करना तथा छात्राओं और शिक्षिकाओं के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और आत्मीयता को बढ़ावा देना रहा। नवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम ने महिला शक्ति, एकता और सांस्कृतिक गौरव का सुंदर संदेश दिया।

डीएवी स्कूल में हुआ रावण दहन

बहादुरगढ़। शहर के डीएवी स्कूल में शनिवार को दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित मनमोहक झांकियां एवं नाट्य प्रस्तुतियां दीं। समारोह के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान व रावण के पात्रों का सजीव अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया। कक्षा दूसरी के आहान और कक्षा पहली की रिहांशी ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया। रावण दहन के अवसर पर विद्यालय परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। प्राचार्या डॉ. इंदु शर्मा ने विद्यार्थियों को दशहरा पर्व के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित कराते हुए कहा कि दशहरा असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को रावण जैसी बुरी प्रवृत्तियों एवं दुर्गुणों का त्याग कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। शांति पाठ के साथ समारोह का समापन हुआ।



बहादुरगढ़। विद्यार्थियों के साथ रावण दहन करती प्रिंसिपल इंदु शर्मा।

श्रीविकास रामलीला में किया भरत मिलाप के दृश्यों का मंचन

रामलीला मंचन में शूर्पणखा की नाक कटी, खर और दूषण का हुआ वध

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर में चल रही रात्रि रामलीला में मंचन के दौरान शुक्रवार की रात श्रीरामचंद्र जी, सीता माता व लक्ष्मण द्वारा पंचवटी का निर्माण करना, शूर्पणखा की नाक कटना, खर व दूषण के युद्ध के दृश्यों का मंचन किया। मंचन में दिखाया गया कि जब श्रीरामचंद्र जी व माता सीता पंचवटी में विश्राम कर रहे होते हैं और लक्ष्मण उनकी रक्षा में पहरे पर होता है तो वन में विचरण करने पहुंची राक्षसी शूर्पणखा लक्ष्मण जी के दिव्य रूप को देखकर उन पर मोहित हो जाती है। वह सुंदर स्त्री का वेष बना कर लक्ष्मण के पास पहुंचती है और उनके सामने विवाह का प्रस्ताव का प्रस्ताव रखती है।

लक्ष्मण जी के मना करने पर वह श्रीरामचंद्र जी के पास भी जब विवाह की बात करती है तो श्रीरामचंद्र जी पहले से ही शादीशुदा होने की बात कहकर उसे वापस लक्ष्मण के पास भेजने लगते हैं। इससे शूर्पणखां क्रोधित हो जाती है और अपने राक्षसी रूप में आ जाती है। जब वह श्रीरामचंद्र जी व सीता जी पर हमला करने लगती है तो लक्ष्मण जी कटार से उसकी नाक काट देते हैं जिसके बाद वह बदला लेने की बात कहते हुए वहां से चली जाती है। इसके बाद वह अपने भाई खर व दूषण के पास पहुंचती है और अपनी वनवासी राजकुमारों द्वारा नाक काटने की बात बताती है। इसके बाद खर व दूषण भी युद्ध करने के लिए वन पहुंचते हैं जहां श्रीराम और लक्ष्मण के साथ युद्ध करते हुए मारे जाते हैं। इसके बाद शूर्पणखा रावण के दरबार में भी अपना दुखड़ा सुनाती है।

दिन के समय होने वाली रामलीला में भी कमोबेश इन्हीं दृश्यों का मंचन किया गया। इसके अलावा भगत सिंह चौक पर आयोजित श्रीविकास रामलीला में भरत मिलाप के दृश्यों का मंचन किया गया। जब श्रीरामचंद्र जी भरत को खड़ाऊ देकर वापिस अयोध्या भेजते हैं और पार्श्व में एक गीत रामभक्त ले चला रे, राम की निशानी चलता है जो दर्शकों को भाव विभोर कर देता है।



झज्जर। रावण के दरबार में अपना दुखड़ा सुनाते हुए शूर्पणखा। फोटो : हरिभूमि

सैनिक पब्लिक स्कूल में मनाई विजयादशमी

बहादुरगढ़। सैनिक पब्लिक स्कूल में शनिवार को दशहरे का पर्व बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्नों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने शानदार नृत्य और आत्मविश्वास भरे अभिनय से सबका दिल जीत लिया। विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में समा बांध दिया। प्रधानाचार्य भारद्वाज ने कहा कि विजयदशमी बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को जीवन में सत्य, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच और अच्छे आचरण से ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।



रामायण के विभिन्न प्रसंगों का किया मंचन



झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटोदा में शनिवार को भव्य रामलीला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों, त्याग, मर्यादा और धर्म की महत्ता को दर्शाया गया। कार्यक्रम में पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का जीवंत मंचन किया। संस्था के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति की एक समृद्ध एवं गौरवशाली परंपरा है। इसके माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन, उनके संघर्षों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि रामलीला भगवान श्रीराम के जीवन की प्रमुख घटनाओं को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करती है, और धर्म तथा अधर्म के बीच संघर्ष को दर्शाती है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और मंचीय कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।